



यीशु का बढ़ने का नमूना

Jesus' Model for Growth

उद्देश्य (OBJECTIVE)

व्यक्तिगत विकास एक आगुआ के रूप में अत्यंत आवश्यक है।

जिस प्रकार यीशु ने अपने स्वयं के विकास को प्राथमिकता दी, उसी प्रकार यह प्रशिक्षण आगुवाओं को आजीवन विकास की प्रक्रिया को अपनाने की चुनौती देता है।

यह प्रशिक्षण चार मुख्य क्षेत्रों को रेखांकित करता है जिनमें प्रत्येक मसीही आगुवाओं को बढ़ना चाहिए।

यह प्रशिक्षण आपको आपके **वर्तमान आत्मिक मौसम (season)** को पहचानने और निरंतर विकास की ऐसी जीवनशैली को अपनाने में मदद करेगा, जो **परमेश्वर की महिमा** लाए और आपके **नेतृत्व को सशक्त बनाए**।

सारांश (OVERVIEW)

- मसीही आगुवाओं के लिए व्यक्तिगत विकास आवश्यक है
- व्यक्तिगत विकास की नींव:
 - **बुद्धि (Wisdom):** लगातार सीखना और सोचने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना
 - **शारीरिक बनावट (Physical Stature):** अपने शरीर की देखभाल करना
 - **परमेश्वर से अनुग्रह (Favor with God):** परमेश्वर से आत्मिक निकटता को प्राथमिकता देना
 - **दूसरों से अनुग्रह (Favor with Others):** स्वस्थ रिश्ते और समुदाय का विकास करना
- उस क्षेत्र को प्राथमिकता देना जो इस समय आपके जीवन के मौसम में सबसे ज़रूरी है
- धीरे-धीरे आगे बढ़ना; विकास एक **आजीवन यात्रा** है
- अपने आपको **विस्तारित करके और दूसरों के साथ** मिलकर बढ़ना

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- लूका 2:52
- मरकुस 14
- प्रेरितों के काम 13:1-3

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. इन चार क्षेत्रों (बुद्धि, शारीरिक, आत्मिक, सामाजिक) में से आपको इस समय अपने जीवन और सेवकाई में किस क्षेत्र पर सबसे अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है?

2. व्यावहारिक रूप से आप क्या कदम उठा सकते हैं ताकि आप परमेश्वर के साथ अपने संबंध की गहराई को बनाए रखें, विशेषकर तब जब सेवकाई की माँगें अधिक हों?

3. आप कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके व्यक्तिगत विकास का प्रयास संतुलित रहे और आपकी बुलाहट तथा सेवकाई के लक्ष्यों के अनुरूप हो?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- प्रेरितों के काम 13:1-3
- रोमियों 12:1-2